



## दवाओं की खुदरा बिक्री

 [drishtias.com/hindi/printpdf/pills-within-reach](https://drishtias.com/hindi/printpdf/pills-within-reach)

### प्रीलिम्स के लिये:

सुपरबग

### मेन्स के लिये:

सामान्य दवाओं की खुदरा बिक्री से संबंधित मुद्दे

### चर्चा में क्यों?

भारत सरकार स्थानीय खुदरा दुकानों को सामान्य दवाओं (Common Drugs) की बिक्री संबंधी अनुमति देने की योजना बना रही है।



### महत्वपूर्ण बिंदु:

- भारत सरकार के प्रस्ताव के अनुसार, पैरासिटामोल (Paracetamol) जैसी लोकप्रिय दवाओं को बिना किसी चिकित्सीय पर्ची के नियमित दुकानों पर खुदरा बिक्री की अनुमति प्रदान की जाएगी।
- इसके अतिरिक्त इन दवाओं के दुष्प्रभाव और उचित खुराक से संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध होगी।

### लाभ

- **भौगोलिक पहुँच:** इस प्रकार के नियम से दूर-दराज के क्षेत्रों तक दवाओं की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी, जहाँ तक अभी फार्मेशियों की उपलब्धता बहुत सीमित है।
- **स्व-दवा का मुद्दा:** स्व-चिकित्सा (Self-Medication) भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक प्रचलित है। बिना पर्चे वाली दवाओं (Non-Prescription Drugs) की बिक्री से लाखों लोगों की इन तक पहुँच स्थापित हो सकेगी।
- **चिकित्सकों की उपलब्धता:** देश में इस समय पर्याप्त अनुपात में योग्य चिकित्सकों की उपलब्धता नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग दो-तिहाई चिकित्सक शहरी क्षेत्रों में नियुक्त हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के नियमों से लोगों की दवाओं तक आसान पहुँच स्थापित हो सकेगी।

## चुनौतियाँ

---

- **नियंत्रण:** इस प्रकार के नियमों का क्रियान्वयन से संबंधी चुनौतियाँ उत्पन्न होंगी क्योंकि अभी तक इसके लिये कोई मानक नहीं स्थापित किये जा सके हैं।
- **स्वास्थ्य को खतरा:** बिना किसी चिकित्सीय परामर्श के दवाओं का सेवन स्वास्थ्य हेतु जोखिम उत्पन्न कर सकता है।
- **अति उपयोग:** सामान्य लोगों की इन दवाओं तक आसान पहुँच स्थापित होने से इनके अति-उपयोग की प्रायिकता बढ़ जाएगी जिससे दीर्घकालिक स्तर पर इन दवाओं के सुपरबग स्थापित हो सकते हैं।

## स्रोत: लाइव मिंट

---